

रक्षामंत्री ने चमोली-उत्तरकाशी में कथिा चार मोटर पुलों का वर्चुअल उदघाटन

चर्चा में क्यों?

28 अक्टूबर, 2022 को रक्षामंत्री राजनाथ सहि ने उत्तराखंड के सीमांत क्षेत्र चमोली और उत्तरकाशी के नेलांग घाटी में चार मोटर पुलों का वर्चुअल उदघाटन कथिा ।

प्रमुख बदि

- रक्षामंत्री ने राज्य के कुलसारी में करणप्रयाग-गवालदम हाईवे पर तीन और नेलांग में एक पुल का उदघाटन कथिा है और इन पुलों के बनने से भारत-चीन सीमा तक सेना की आवाजाही सुगम हो सकेगी तथा इसके अलावा सेना के बड़े वाहन आसानी से सीमा तक जा सकेंगे ।
- वदिति है किराज्य में करणप्रयाग-गवालदम हाईवे पर तीनों पुलों का नरिमाण बीआरओ के 66 आरसीसी कमान गौचर की ओर से कथिा गया है । कुलसारी में हाईवे पर बने पुल की लंबाई 50 मीटर, थराली में कुसेरी पुल की 40 मीटर और लोल्टी में बने पुल की लंबाई 35 मीटर है ।
- उत्तराखंड में शविलक प्रोजेक्ट के चीफ इंजीनयिर बगिरेडयिर राजीव शरीवास्तव ने बताया कसीमा सड़क संगठन ने इन तीन पुलों का नरिमाण मात्र डेढ़ साल में कथिा है ।
- राज्य के उत्तरकाशी ज़िले के सीमांत क्षेत्र नेलांग घाटी में सामरकि दृष्टि से महत्त्वपूर्ण पागल नाला पर पुल नरिमाण कार्य पूरा हो गया है तथा अब भारी बरसात और भूस्खलन से नेलांग घाटी सड़क बंद नहीं होगी ।
- बीआरओ के मेजर नमन नरूला ने बताया कथिह पुल सेना के सर्वाधकि भार वाले टैंकों व उपकरणों को ले जाने में समर्थ है । सेना की तकनीकी भाषा में इसकी भार वहन क्षमता 70 आर है ।
- नेलांग घाटी में भू-स्खलन प्रभावति क्षेत्रों में चार और पुल बनाए जा रहे हैं, जसिसे बरसात के दौरान भूस्खलन के चलते सामरकि दृष्टि से महत्त्वपूर्ण सड़क बंद न हो । ये सभी पुल 50 से 65 मीटर स्पान के हैं । प्रत्येक पुल की लागत 6 से 7 करोड़ रुपए है तथा इनमें से एक पुल का नरिमाण कार्य अगले वर्ष तक पूरा होने की संभावना है । ये सभी पुल भैरवघाटी से नेलांग घाटी के बीच 25 कर्मी के दायरे में बन रहे हैं ।
- राजनाथ सहि ने कार्यक्रम में इन पुलों के साथ ही देश की 72 अन्य परयोजनाओं का भी लेह घाटी से वीडियो कॉफ्रेंसगि के ज़रयि लोकार्पण कथिा ।